एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम : 2013

इस पाठ्यक्रम में कुल 9 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा । एम.ए. पूर्वार्द्ध में 4 एवं उत्तरार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे।

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा–2013
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय: 3 घण्टे अधिकतम अंक: 100

नोट: इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

हिन्दी साहित्य का आरम्भ, काल–विभाजन और नामकरण

आदिकालीन हिन्दी साहित्य : आधार–सामग्री, धार्मिक और लौकिक तथा साहित्यिकता और प्रामाणिकता के प्रश्न

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रमुख कवि : चन्दबरदाई, नरपति नाल्ह, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, विद्यापति ।

इकाई – II

भक्ति आन्दोलन : उदय के कारण, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

सन्त काव्य : वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी सन्त काव्य, सन्त काव्य की विशेषताएँ, प्रमुख कवि –कबीर, दादू, रैदास।

सूफी काव्य : वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य ।

इकाई – III

सगुण भक्ति के दार्शनिक आधार और विविध सम्प्रदाय, मधुरोपासना, हिन्दी के कृष्णभक्त कवि और उनका काव्य, हिन्दी का रामभक्ति काव्य और तुलसीदास।

दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकवियों का आचार्यत्व, रीति काव्य की मुख्य धाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

प्रमुख कवि – केशवदास, देव, बिहारी, सेनापति, पद्माकर, भूषण, घनानन्द।

इकाई – IV

1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तर आन्दोलन और समकालीन कविता।

इकाई – V

हिन्दी में उपन्यास, नाटक, कहानी, निबन्ध, आलोचना एवं अन्य विधाओं का उद्‌भव और विकास।

हिन्दी की प्रमुख साहित्यिक संस्थाएँ तथा पत्र–पत्रिकाएँ।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स., काशी
2. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास –हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नयी दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –रामकुमार वर्मा, रामनारायण अग्रवाल एवं संस, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती इलाहाबाद
9. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, मयूरपेपर बैक्स, नोएडा।

द्वितीय प्रश्नपत्र : काव्य–1 (प्राचीन काव्य)

समय: 3 घण्टे अधिकतम अंक: 100

नोट: इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

इकाई – I

पृथ्वीराज रासो (केवल पद्‌मावती समय) – चन्द बरदायी

इकाई – II

विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह (वंशीमाधुरी, रूप वर्णन, बसन्त मिलन और विरह)

इकाई – III

जायसी ग्रन्थावली (पद्मावतः केवल सिंहलद्वीप वर्णन और नागमती वियोग खंड)– सं. रामचन्द्र शुक्ल

इकाई – IV

कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी (परिशिष्ट –2 कबीर वाणी 163–202)

इकाई – V

दादू : सन्त काव्य – सं. परशुराम चतुर्वेदी

पीपा : सम्पादक – ललित शर्मा (पद संख्या–4, 6, 11, 14 व 20)

सहायक ग्रन्थ :

1. रासो विमर्श : माताप्रसाद गुप्त
2. पृथ्वीराज रासो : इतिहास का काव्य – राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल, नयी दिल्ली
4. कबीर – सं. विजयेन्द्र स्नातक राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
5. जायसी – रामपूजन तिवारी, नयी दिल्ली
6. जायसी ग्रन्थावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स., काशी
7. पदमावत का काव्यार्थ – हनुमानप्रसाद शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
8. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
9. दादू – बलदेव बंशी, वाणी, नयी दिल्ली
10. 'रामानंद परम्परा के उद्गायक संत पीपाजी' – ललित शर्मा, श्री कावेरी शोध संस्थान, उज्जैन–34, केशव नगर, डा. हरिराम चौबे मार्ग, उज्जैन, म.प्र.

तृतीय प्रश्नपत्र : काव्य–2 (मध्यकालीन काव्य)

समय: 3 घण्टे अधिकतम अंक: 100

नोट: इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।
कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।
कुल अंक : 40

इकाई – I

भ्रमरगीतसार–(पद सं. 101–200 तक) सूरदास – सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल

इकाई – II

रामचरितमानस (केवल उत्तरकांड) तुलसीदास – सम्पादक : माता प्रसाद गुप्त

इकाई – III

बिहारी सार्धशती – बिहारी – सम्पादक : ओम प्रकाश

इकाई – IV

मीरां पदावली – मीरा – सम्पादक : परशुराम चतुर्वेदी (क्रम सं. 1–50 तक)

इकाई – V

घनानन्द कवित्त – सम्पादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (क्रम सं. 1–50 तक)

सहायक ग्रन्थ :

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल , ना.प्र.स. काशी
2. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल, नयी दिल्ली
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय, वाणी, नयी दिल्ली
4. सूरदास – सं. हरवंशलाल शर्मा – राधाकृष्ण , नयी दिल्ली
5. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स., काशी
6. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
7. बिहारीः नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
8. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी, नयी दिल्ली
10. घनानन्द – लल्लन राय, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
11. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरी लाल, साहित्य भवन (प्रा0) लि0 इलाहाबाद।

चतुर्थ प्रश्नपत्र : गद्य साहित्य–1 (कथा– साहित्य)

समयः 3 घण्टे अधिकतम अंकः 100

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

इकाई – I

गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – II

शेखर – एक जीवनी – अज्ञेय

इकाई – III

कहानियाँ

1.	गुण्डा	–	जयशंकर प्रसाद
2.	पूस की रात	–	प्रेमचन्द
3.	रोज (गैंग्रीन)	–	अज्ञेय
4.	टूटना	–	राजेन्द्र यादव
5.	तीसरी कसम	–	फणीश्वर नाथ रेणु
6.	जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
7.	एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश

इकाई – IV

कहानियाँ

8.	बादलों के घेरे	–	कृष्णा सोबती
9.	यही सच है	–	मन्नू भंडारी
10.	परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
11.	खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
12.	चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
13.	नन्हों	–	शिव प्रसाद सिंह
14.	प्रेत–मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
15.	पीली छतरी वाली लड़की–		उदय प्रकाश

इकाई – V

नंगातलाई का गांव – विश्वनाथ त्रिपाठी

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल, नयी दिल्ली
2. गोदान – सं. राजेश्वर गुरू , राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
3. कथाकार अज्ञेय – चन्द्रकान्त म. बान्दिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
4. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
5. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, नयी दिल्ली